

क्रोनी कैपिटलज़िम

प्रलिस के लयः

क्रोनी कैपिटलज़िम, संसदीय समति, भारत का मुख्य नयायाधीश (CJI), सकल घरेलू उत्पाद (GDP), भ्रष्टाचार वरिधी कानून, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायतित्व,

मेन्स के लयः

क्रोनी कैपिटलज़िम से संबध मुद्दे, क्रोनी कैपिटलज़िम को संबधति करने के उपाय ।

चर्चा में क्यों?

अडानी-हडिनबर्ग (Adani-Hindenburg) मुद्दे पर [संसद](#) में वपिकष द्वारा क्रोनी कैपिटलज़िम का आरोप लगाते हुए संयुक्तसंसदीय समति या [भारत के मुख्य नयायाधीश \(CJI\)](#) द्वारा नामति समति द्वारा जाँच की मांग की जा रही है ।

क्रोनी कैपिटलज़िम

परचियः

- क्रोनी कैपिटलज़िम एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल पूंजीवादी आर्थिक व्यवस्था का वर्णन करने के लिये किया जाता है जिसमें राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों के साथ करीबी संबंध रखने वाले व्यक्तियां व्यवसाय बाज़ार में अनुचति लाभ हासलि करने के लिये अपने राजनीतिक संबंधों का उपयोग करते हैं ।
- द इकोनॉमिस्ट इंडिया द्वारा प्रकाशति क्रोनी कैपिटलज़िम इंडेक्स 2021 में 7वें स्थान पर था, जहाँ देश केसकल घरेलू उत्पाद (GDP) में क्रोनी सेक्टर की संपत्ति 8% थी ।

क्रोनी कैपिटलज़िम से संबधति मुद्दे:

- मार्केटप्लेस में अनुचति लाभ: क्रोनी कैपिटलज़िम भ्रष्टाचार को जन्म दे सकता है क्योंकि व्यवसाय अक्सर सरकारी अधिकारियों को रशिवत देकर बाज़ार में अनुचति लाभ प्राप्त करने के लिये अपने राजनीतिक संबंधों का उपयोग करते हैं ।
 - यह कानून के शासन को कमज़ोर करने की साथ ही सरकारी संस्थानों में जनता के वशिवास को खत्म कर सकता है ।
- वकित्त बाज़ार प्रतसिपर्द्धा: जब कुछ व्यवसायों को उनके राजनीतिक संबंधों के माध्यम से अनुचति लाभ दिया जाता है, तो यह बाज़ार की प्रतसिपर्द्धा को वकित्त कर देता है और छोटे व्यवसायों एवं उद्यमियों के लिये सफलता प्राप्त करना कठनि हो जाता है ।
 - इससे कुछ व्यक्तियों या नगिर्मों के हाथों में धन और शक्तिका संकेदरण हो सकता है ।
- नवाचार में गरिवट: बड़े व्यवसायों की प्रमुख स्थिति अक्सर प्रतसिपर्द्धा को खत्म कर देती है और उन्हें अपने उत्पादों/सेवाओं को आगे बढ़ाने या सुधारने के लिये हतोत्साहति करती है ।
 - यह समग्र अर्थव्यवस्था में नवाचार को खत्म सकता है और प्रतसिपर्द्धात्मकता में गरिवट ला सकता है ।
- सरकार और अर्थव्यवस्था के प्रतजनता में अवशिवास: व्यापक रूप से क्रोनी कैपिटलज़िम सरकारी संस्थानों और आर्थिक व्यवस्था में जनता के वशिवास को कम कर सकता है ।
 - इससे नीति निर्माताओं के लिये सुधारों को लागू करना और व्यवसायों को प्रभावी ढंग से संचालति करना मुश्कलि हो सकता है ।

भारत द्वारा क्रोनी कैपिटलज़िम से संबधति मुद्दों का समाधान:

- पारदर्शति और जवाबदेही में सुधार: भारत ओपन डेटा पहल, नयामक एजेंसियों की स्वतंत्रता में वृद्धि और सरकारी अनुबंधों एवं सब्सिडी की पारदर्शति में सुधार जैसे उपायों को लागू करके अपनी राजनीतिक तथा आर्थिक प्रणालियों में पारदर्शति व जवाबदेही में सुधार कर सकता है ।
- प्रतसिपर्द्धा को बढ़ावा देना: भारत छोटे व्यवसायों और उद्यमियों के लिये प्रवेश की बाधाओं को कम करके प्रतसिपर्द्धा को प्रोत्साहति कर सकता है, जैसे कलालफीताशाही को कम करना एवं नयिर्मों को सुव्यवस्थति करना ।
- इससे नए प्रवेशकों के लिये स्थापति व्यवसायों के साथ प्रतसिपर्द्धा करना और कुछ व्यक्तियों अथवा नगिर्मों के हाथों में धन एवं शक्तिके

केंद्रीकरण को कम करना आसान हो सकता है।

- कॉर्पोरेट नैतिकि उत्तरदायित्व की ओर: भारत यह सुनिश्चिती करने के उपायों को लागू करके ज़मिमेदार व्यवसाय प्रथाओं को बढ़ावा दे सकता है कि कोई भी व्यवसाय कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता संबंधी पहलों के अनुसार नैतिकि तथा स्थायी रूप से कार्य करें।
- इससे आर्थिकि व्यवस्था में जनता के विश्वास में वृद्धि हो सकती है और यह व्यवसायों को समग्र रूप से समाज के सर्वोत्तम हित में कार्य करने के लिये प्रोत्साहति कर सकता है।
- ज़मिमेदार राजनीतिकि व्यवहार को प्रोत्साहति करना: भारत राजनीतिकि चंदा/दान और पैरवी गतिविधियों की पारदर्शति बढ़ाकर ज़मिमेदार राजनीतिकि व्यवहार को बढ़ावा दे सकता है।
- इससे भ्रष्टाचार में कमी आ सकती है और यह सुनिश्चिती कयि जा सकता है कि निरिवाचति अधिकारियों को उनके कार्यों के लिये जवाबदेह ठहराया जाए।

स्रोत: बज़िनेस स्टैंडर्ड

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/crony-capitalism>

